सांध्य दैनिक
# 4PM
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
जिद...सच की
मूल्य ₹ 3/-
● वर्षः 12 ● अंक 102 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार 18 मई, 2026

हीरे की कठोरता उसकी उपयोगिता का हिस्सा है, लेकिन उसकी असली कीमत उस प्रकाश में है जो उससे हो कर चमकता है।

-बी.के. एस. आयंगर


दिल्ली की प्लेऑफ की उमीदें... 7 | जम्मू-कश्मीर में नशामुक्ति को... 3 | कार्यकर्ता अपना लक्ष्य न भूले... 2


# केरल में सतीशन की शपथ राहुल की वापसी का शंखनाद!

## राज्य में राहुल की टीम को मिला ब्रेकथ्रू

### » नेता प्रतिपक्ष लोस को लंबे समय से थी तलाश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तिरुवनंतपुरम। केरल के नए मुख्यमंत्री के रूप में कांग्रेस के वीडी सतीशन को आज तिरुवनंतपुरम के सेंट्रल स्टेडियम में आयोजित एक भव्य समारोह में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने पद की शपथ दिलाई । उनके शपथ ग्रहण समारोह में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। नई सरकार में आईयूएमएल के पीके कुन्हालीकुट्टी, कांग्रेस के रमेश चेन्निथला, सनी जोसेफ, के. मुरलीधरन, मॉन्स जोसेफ, आरएसपी नेता, शिबु बेबी जॉन और केरल कांग्रेस (जेकब) के, अनूप जैकब जैसे वरिष्ठ नेताओं को शामिल किया गया है।

खास बात यह है कि सतीशन मंत्रिमंडल में शपथ लेने वाले 14 विधायक पहली बार मंत्री बने हैं। वीडी सतीशन के शपथ ग्रहण के साथ ही केरल में सीपीआई(एम) के दिग्गज नेता पिनाराई विजयन के एक दशक लंबे शासन का औपचारिक रूप से अंत हो गया। दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री ओमन चांडी के नेतृत्व में कांग्रेस के आखिरी बार सत्ता में आने के 15 साल बाद कांग्रेस नेतृत्व वाला यूडीएफ सत्ता में वापस लौटा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस अवसर पर कहा कि ये केरल की ऐतिहासिक जीत है और हम सभी को इसकी बहुत खुशी है। राहुल गांधी ने कहा कि केरल के लोगों के लिए बहुत खास दिन है क्योंकि लंबे समय बाद यूडीएफ सत्ता में आया है। हाल ही में संपन्न चुनाव में यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) ने जबरदस्त वापसी करते हुए 140 सदस्यों वाली विधानसभा में 102 सीटें जीतीं, जबकि अकेले कांग्रेस ने रिकॉर्ड 63 सीटें हासिल कीं जो राज्य में उसका अब तक का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन है।

**14** विधायक पहली बार मंत्री बने

**15** साल बाद कांग्रेस नेतृत्व वाला यूडीएफ सत्ता में वापस लौटा

## दिलचस्प चेहरा बनकर उभरे सतीशन

इस पूरी कहानी का सबसे दिलचस्प चेहरा बनकर उभरे वीडी सतीशन। ऐसा नेता जो राष्ट्रीय मीडिया की चमक दमक में भले कम दिखाई देता हो लेकिन जमीन पर लगातार लड़ता रहा। पांच साल तक उन्होंने विपक्ष की भूमिका को सिर्फ बयानबाजी तक सीमित नहीं रहने दिया। विधानसभा के भीतर सरकार को घेरा सड़कों पर जनता के मुद्दे उठाए और कांग्रेस कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भरी। यही वजह रही कि जब मुख्यमंत्री चेहरे की चर्चा शुरू हुई तो कार्यकर्ताओं की पहली पसंद सतीशन बने। आलाकमान के सामने भी आखिरकार जमीनी राजनीति जीत गई। सतीशन की सबसे बड़ी ताकत यह रही कि उन्होंने खुद को सिर्फ विधानसभा की राजनीति तक सीमित नहीं रखा। भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, प्रशासनिक विफलताओं और जनहित के मुद्दों को लेकर लगातार सरकार पर हमले किए। यही कारण है कि कांग्रेस के जमीनी कार्यकर्ताओं को उनमें वह आक्रामकता दिखाई दी जिसकी पार्टी को लंबे समय से तलाश थी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कांग्रेस आलाकमान अगर सिर्फ दिल्ली की राजनीति के हिसाब से फैसला लेता और केसी वेणुगोपाल को मुख्यमंत्री बनाता तो कार्यकर्ताओं में वह उत्साह नहीं आता जो सतीशन के नाम से आया। यह फैसला कांग्रेस के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि इससे पार्टी ने यह संकेत दिया है कि अब जमीनी नेताओं को प्राथमिकता दी जाएगी।

## केरल की जीत ने धारणा तोड़ी

केरल की जीत ने यह धारणा तोड़ने की कोशिश की है कि कांग्रेस सिर्फ हार की राजनीति कर रही है। जीत के बाद कांग्रेस अब यह संदेश देना चाहती है कि वह सिर्फ भाजपा विरोध की राजनीति नहीं कर रही बल्कि सत्ता में वापसी की क्षमता भी रखती है। दिलचस्प यह भी है कि यह जीत ऐसे समय आई है जब राष्ट्रीय राजनीति में भाजपा बेहद आक्रामक है और विपक्ष बिखरा हुआ दिखाई देता है। ऐसे माहौल में केरल से आया यह जनादेश कांग्रेस के लिए सिर्फ एक राज्य की सत्ता नहीं बल्कि मनोवैज्ञानिक ऑक्सीजन है। अब सवाल यह नहीं कि कांग्रेस जीती या हारी सवाल यह है कि क्या केरल से उठी यह राजनीतिक लहर देश की राजनीति का नया रुख तय करेगी?

> “ केरल के लोगों के लिए बहुत खास दिन है क्योंकि लंबे समय बाद यूडीएफ सत्ता में आया है।
>
> राहुल गांधी

## पूरे देश का राजनीतिक तापमान में बदलाव

भारतीय राजनीति में कुछ जीतें सिर्फ सरकारें नहीं बदलतीं बल्कि वह पूरे देश का राजनीतिक तापमान बदल देती हैं। केरल में कांग्रेस की वापसी भी ऐसी ही जीत बनती दिखाई दे रही है। यह सिर्फ सत्ता परिवर्तन नहीं है बल्कि उस राजनीतिक कहानी का नया अध्याय है जिसे भाजपा और लेफ्ट दोनों ने लगभग खत्म मान लिया था। राहुल गांधी की राजनीति को लेकर लगातार सवाल उठाए जा रहे थे। विपक्ष बिखरा हुआ था। कांग्रेस के भीतर नेतृत्व को लेकर संशय का वातावरण बनाया जा रहा था। लेकिन केरल ने अचानक वह तस्वीर बदल दी जिसने दिल्ली से लेकर तिरुवनंतपुरम तक राजनीतिक हलचल पैदा कर दी है। लेफ्ट सरकार ने जिस आत्मविश्वास के साथ सत्ता चलाई ऐसा लग रहा था कि पिनराई विजयन का किला अजेय है। प्रशासनिक पकड़, मजबूत कैडर और वैचारिक जमीन। सब कुछ लेफ्ट के पक्ष में दिखाई देता था। कांग्रेस खुद अंदरूनी संघर्षों से जूझती नजर आती थी। लेकिन राजनीति की सबसे बड़ी सच्चाई यही है कि जनता जब बदलाव का मन बना लेती है तब सबसे मजबूत दिखने वाली सत्ता भी रेत की दीवार साबित होती है। केरल में यही हुआ। जनता ने चुपचाप फैसला लिया और जब परिणाम आए तो लेफ्ट का वर्षों पुराना राजनीतिक किला हिल गया।

## असली राजनीतिक संदेश राहुल के लिए निकला

राहुल गांधी पिछले कई वर्षों से भाजपा के सबसे बड़े राजनीतिक हमलों का केंद्र रहे हैं। उन्हें कमजोर नेता साबित करने के लिए लगातार राजनीतिक नैरेटिव गढ़ा गया। लेकिन राजनीति में छवि उतनी ही मजबूत होती है जितनी मजबूत जीतें होती हैं। भारत जोड़ो यात्रा के बाद राहुल गांधी की स्वीकार्यता में बदलाव जरूर दिखाई दिया था लेकिन कांग्रेस को ऐसी जीत की जरूरत थी जो राष्ट्रीय स्तर पर संदेश दे सके। केरल ने वह मौका राहुल गाधी को दिया है। वायनाड से राहुल गांधी का भावनात्मक और राजनीतिक रिश्ता पहले से रहा है। यही वजह है कि केरल की जीत को उनके नेतृत्व से जोड़कर देखा जा रहा है। कांग्रेस अब इस जीत को राष्ट्रीय राजनीति में एक बड़े प्रतीक की तरह इस्तेमाल करेगी।

# कार्यकर्ता अपना लक्ष्य न भूलें : अखिलेश

» राजकुमार भाटी मसले पर कहा- भाषा पर संयम रखें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने कार्यकर्ताओं से कहा कि वी संयम बरतें और अपने लक्ष्य पर फोकस करें। इससे पहले रविवार को समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता राजकुमार भाटी ने प्रदेश मुख्यालय पर भेंट की।

इस अवसर पर सामाजिक राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा की गई। अखिलेश यादव ने निर्देशित किया कि सभी समाजवादी नेता और कार्यकर्ता सामाजिक सद्भाव का आचरण करें। अपनी भाषा और व्यवहार में संतुलन व संयम बरतें। ऐसी कोई बात न करें जिससे कोई अपने को अपमानित या आहत महसूस करे। उन्होंने कहा कि संविधान और लोकतंत्र को बचाकर ही सामाजिक न्याय के राज की स्थापना की जा सकती है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सभी को एकजुट रहना होगा।

## पीडीए सामाजिक न्याय की लड़ाई का भी प्रभावी माध्यम

पीडीए समाज सभी वर्गों पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक के अलावा पीड़ित अगड़े और आधी आबादी को अपने से जोड़ती है। पीडीए सामाजिक न्याय की लड़ाई का भी प्रभावी माध्यम है। पीडीए की एकता से ही 27 में भाजपा को सत्ता से हटाया जा सकेगा।

## सोने पर आयात शुल्क बढ़ने से छोटे सोनार होंगे प्रभावित

सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि सोने पर आयात शुल्क ढाई गुना बढ़ाने से कारोबार चौपट होगा। जेवरात-गहनों के व्यापार में बड़ी कंपनियों के आ जाने से ये छोटे सोनार वैसे भी प्रतियोगिता नहीं कर पा रहे थे, अब बड़ी कंपनियों से कमीशन लेने के चक्कर में ही भाजपा ने युद्ध के बहाने सोनाबंदी की बात करी है। अखिलेश ने जारी बयान में कहा कि एक साल में तो लाखों सुनार चौपट होकर अपना काम बंद कर देंगे, तब ये बड़ी कंपनियां हर छोटे-बड़े शहर में अपने शोरूम खोलकर मनमाने दाम पर गहने बेचकर जनता को लूटेंगी। भाजपा को अकूत धन कमाकर देंगी। भाजपा सरकार की नीतियों ने देश की अर्थव्यवस्था को अनर्थ-व्यवस्था में बदल दिया है। आम लोगों के जीवन को संकट से भर दिया है।

# पीडीए मतलब पार्टी ऑफ डिंपल एंड अखिलेश : राजभर

» सुभासपा प्रमुख का सपा प्रमुख पर तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 27 से पहले नेताओं की जुबानी जंग काफी तेज हो चुकी है, इसमें सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी प्रमुख और प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने उनके पीडीए को लेकर बड़ा तंज कसा है।

ओम प्रकाश राजभर ने पीडीए मतलब पार्टी ऑफ डिम्पल एंड अखिलेश। यही नहीं उन्होंने आरोप लगाया कि आपकी सरकार में केवल यादव जाति को ही मौके मिले। कैबिनेट मंत्री ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर यह पोस्ट किया है, जिसमें पूर्व चीफ जस्टिस मर्कंडेय काटजू का स्क्रीन शॉट लगाया है। जिसमें 86 में 56 एसडीएम एक ही जाति यानि यादव होने का दावा है। इसके अलावा उन्होंने अपनी भोजपुर में भी अखिलेश यादव पर साधू संतों के अपमान का आरोप लगाया है।

# आज गांधी जी चुनाव लड़ते तो जमानत जब्त हो जाती : मनोज झा

सांसद बोले- अब राजनीति की भाषा तो हर दिन के साथ खराब होती जा रही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंदौर। प्रसिद्ध चिंतक, विचारक और सांसद मनोज कुमार झा ने कहा है कि हमारे देश में राजनीति की भाषा ऐसी हो गई है कि आज यदि महात्मा गांधी होते और वह चुनाव लड़ लेते तो वह भी हार जाते। राजनेता केवल ईवीएम की भाषा समझते हैं और भाषा ईवीएम को नहीं समझती है। राजनीति की भाषा तो हर दिन के साथ खराब होती जा रही है लेकिन भाषा को लेकर चल रही राजनीति भी मन को दुखा रही है।

वे आज शाम यहां जाल सभागृह में अभ्यास मंडल के द्वारा आयोजित 66 वीं ग्रीष्मकालीन व्याख्यान माला में राजनीति की भाषा और भाषा की राजनीति विषय पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज हमारे देश की जनता को नेता के रूप में आक्रामक नेता चाहिए होता है। हम यह नहीं सोचते हैं कि हम अपना नुमाइंदा चुन रहे हैं, कोई पहलवान नहीं चुन रहे हैं। अब तो हालत यह हो गई है कि यदि 1920 के दौर वाले गांधी जी भी आ जाएं तो आज के हालात को देखकर वे चुनाव नहीं लड़ेंगे और यदि लड़ेंगे तो उनकी जमानत जप्त हो जाएगी। राजनीति की इस बदलती भाषा के लिए हम सभी गुनहगार हैं। लोकतंत्र में भाषा की गिरावट में कोई पार्टी पीछे नहीं है। पहले एक समय था जब यदि युवावस्था में भी किसी के मुंह से अपशब्द निकल जाता तो वह दोस्तों को पसंद नहीं आता था। आज तो इसी अपशब्द ने सम्मान की जगह ले ली है। प्रो. झा ने कहा कि भाषा के विवाद में देश ने काफी कुछ खोया है। हिंदी पखवाड़े से हिंदी बड़ी भाषा नहीं बनी है बल्कि लोक माध्यम से हिंदी बड़ी भाषा बनी है। भाषा हमारे जीवन का माध्यम है। राजनीति के लोग भाषा नहीं ईवीएम देखते हैं और भाषा को ईवीएम नहीं दिखती है। आज समस्या यह है कि जो ओहदेदार हैं वह अभ्यास नहीं करते, मंडल बनाकर बैठ गए हैं।

## जमीन को बचाने के लिए जो आवाज उठाएगा वह अर्बन नक्सली

उन्होंने कहा कि यदि अब भी हम अपनी संस्थागत संरचना को बचा नहीं पाए तो मुश्किल होगी। हाल ही में हुए बिहार और पश्चिम बंगाल के चुनाव में घुसपैठिए, अर्बन नक्सल जैसे शब्द खूब जमकर गुंजाए गए। जब किसी जमीन पर किसी बड़े व्यक्ति की नजर पड़ जाती है तो उस जमीन को बचाने के लिए जो आवाज उठाएगा वह अर्बन नक्सली करार दिया जाता है। हमारे देश का मानस टूट गया है। आज हमारे देश में सांझा छत तो है लेकिन सुकून नहीं है। जब तक सांझ सोच और सांझ सपना नहीं होगा तब तक देश तरक्की नहीं कर पाएगा।

## बांटने और काटने की भाषा से समाज बंटता है

उन्होंने कहा कि चुनावी लड़ाई में यदि भाषा को गिराना पड़े तो उससे बाज आना चाहिए। बांटने और काटने की भाषा से समाज बंटता है। देश की आजादी के समय पर जो विभाजन की लकीर दो देशों के बीच में खींची गई थीं। वह लकीर आज हर मोहल्ले में नजर आ रही है। हमारे संविधान की भाषा स्पष्ट है उस भाषा के स्थान पर आज सरेआम गाली दी जा रही है। अब तो सरकार की आलोचना मतलब देश की आलोचना हो गया है। यह स्थिति 50 साल पहले भी आपातकाल के समय पर बनी थी और आज फिर वही स्थिति बन रही है। कोई भी व्यक्ति भारत नहीं हो सकता है क्योंकि भारत विशाल हृदय की सोच है।

# किसान को भरोसा चाहिए प्रचार नहीं : जीतू पटवारी

» मप्र में न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी लागू हो, केंद्रीय कृषि मंत्री को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। जीतू पटवारी ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र लिखकर किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी लागू करने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश की मंडियों में किसान घोषित समर्थन मूल्य से कम दाम पर फसल बेचने को मजबूर हैं।

पत्र में पटवारी ने लिखा कि लंबे समय से सत्ता में रहने वाली सरकार को अब किसानों की वास्तविक समस्याओं को समझना चाहिए। यदि मध्य प्रदेश में समर्थन मूल्य की कानूनी सुरक्षा लागू होती है तो यह पूरे देश के लिए नया कृषि मॉडल बन सकता है। उन्होंने कहा किसान को भरोसा चाहिए, प्रचार नहीं।

पटवारी ने आरोप लगाया कि सरकार समर्थन मूल्य बढ़ाने का प्रचार तो कर रही है, लेकिन प्रदेश की मंडियों में किसान घोषित समर्थन मूल्य से कम कीमत पर फसल बेचने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को अब केवल घोषणाएं नहीं, बल्कि गारंटी चाहिए। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने मांग की कि मध्य प्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य बने, जहां न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी दर्जा दिया जाए। उन्होंने कहा कि समर्थन मूल्य से कम कीमत पर किसानों की उपज खरीदने वालों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई का प्रावधान होना चाहिए। इसके साथ ही मंडियों में पारदर्शी निगरानी व्यवस्था लागू करने, वास्तविक समय मूल्य निगरानी तंत्र बनाने और शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई की व्यवस्था करने की मांग भी की गई है। पटवारी ने सरकार से सवाल किया कि प्रदेश में ऐसी कौन-सी फसल है जिसकी वास्तविक खरीद घोषित समर्थन मूल्य पर हो रही है। उन्होंने मंडियों और खरीद केंद्रों की संयुक्त जमीनी जांच कराने की मांग करते हुए कहा कि वे स्वयं भी इस पड़ताल में शामिल होने के लिए तैयार हैं।

# असली साजिशकर्ताओं को बेनकाब करे सरकार : सौरभ

## नीट पेपर लीक केस को लेकर आप नेता ने भाजपा सरकार को घेरा

» आप नेता ने कहा, सरकार इस पर ठोस बयान दे कि आगे से ऐसे पेपर लीक की घटना नहीं होगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नीट (यूजी) परीक्षा रद्द होने के बाद कथित तौर पर आत्महत्या करने वाली एक नीट उम्मीदवार के परिवार से दिल्ली आप अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज मिले। इसके बाद उन्होंने कहा, उसने कई बार नीट परीक्षा दी थी और डॉक्टर बनना चाहती थी।

पिछले साल वो सिर्फ चार अंकों से एडमिशन पाने से चूक गई थी। यह उसका आखिरी मौका था और सभी को यकीन था कि इस बार वह नीट जरूर पास कर लेगी। नीट परीक्षा का पेपर रद्द होने और उसके बाद लीक होने की खबर से वो सदमें में थी और उसने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आप नेता ने आगे कहा, मुझे लगता है कि सरकार को देश की युवाओं को आश्वासन देना चाहिए कि वो ऐसा कदम ना उठाएं। सरकार इस पर ठोस बयान दे कि आगे से ऐसे पेपर लीक की घटना नहीं होगी। क्या सचमुच सिर्फ एक प्रोफेसर ही इतने बड़े सिंडिकेट के पीछे का मुख्य साजिशकर्ता हो सकता है? जो असली लोग हैं, जो सरकार से जुड़े हुए लोग हैं, जिनके संरक्षण में यह सबकुछ हो रहा है, उनके नाम सामने लाए जाने चाहिए।

# जम्मू-कश्मीर में नशामुक्ति को लेकर सियासी बवाल

## विपक्ष ने सरकार पर लगाया नशा करवाने का आरोप

# भाजपा ने की उमर सरकार से शराबबंदी की मांग

» विपक्ष ने सरकार के खिलाफ किया जोरदार प्रदर्शन

» सीएम बोले- धार्मिक मान्यताओं के हिसाब से शराब का सेवा करें लोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गुजरात व बिहार में शराब बंदी को लेकर विवाद अभी थमे नहीं की अब जम्मू-कश्मीर में नशामुक्ति को लेकर सियासी बवाल मच गया है। जहां सीएम ने राज्य में शराबबंदी से इंकार कर दिया है वहीं लोगों को हिदायत दी है कि धर्म में जैसे निर्देश हो वैसा ही करें।

उधर विपक्षी पार्टी भाजपा इसको लागू करवाने के लिए राज्य में जगह-जगह प्रदर्शन कर रही है। इसी सिलसिले श्रीनगर में शराब की दुकानों पर पूर्ण प्रतिबंध की मांग को लेकर भाजपा ने उमर अब्दुल्ला सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और नीति वापस न लेने पर दुकानें बंद करने की चेतावनी दी। भाजपा ने इसे कश्मीर की आध्यात्मिक विरासत के खिलाफ बताया, जबकि मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार केवल उन लोगों को स्वतंत्रता दे रही है जिनकी धार्मिक मान्यताएं शराब सेवन की अनुमति देती हैं। हालांकि राज्य की पुलिस अवैध शराब के खिलाफ मुहिम भी चला रही है। जगह-जगह कई लोगों को गिरफ्तार किया चुका है।

### मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के गुपकर स्थित आवास की ओर किया मार्च

उसी दिन, भाजपा की जम्मू और कश्मीर इकाई ने श्रीनगर में कश्मीर घाटी में चल रही शराब की दुकानों के विरोध में प्रदर्शन आयोजित किया और क्षेत्र में शराब की बिक्री और खरीद पर पूर्ण प्रतिबंध की मांग की। पार्टी कार्यकर्ता और नेता सोनवार के राम मुंशीबाग से मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के गुपकर स्थित आवास की ओर मार्च करते हुए गए।

## घाटी की नैतिक अखंडता की लड़ाई : अल्ताफ ठाकुर

जम्मू और कश्मीर में उस समय राजनीतिक माहौल और भी गरमा गया, जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना करते हुए चेतावनी दी कि अगर सरकार नैतिकता पर राजस्व को प्राथमिकता देना जारी रखती है तो वह शराब की दुकानों को शारीरिक रूप से बंद कर देगी। श्रीनगर में पत्रकारों को संबोधित करते हुए जम्मू-कश्मीर भाजपा प्रवक्ता अल्ताफ

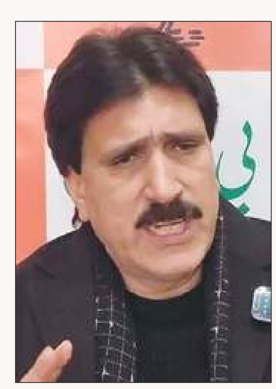

ठाकुर ने इस मामले को घाटी की नैतिक अखंडता की लड़ाई बताया। उन्होंने उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार पर मादक पदार्थों की बिक्री को बढ़ावा देने का आरोप लगाया, जो उनके अनुसार क्षेत्र की आध्यात्मिक विरासत के विपरीत है। ठाकुर ने सत्तारूढ़ दल को औपचारिक चेतावनी देते हुए संकेत दिया कि यदि सरकार शराब लाइसेंसिंग नीतियों को रद्द नहीं करती है तो भाजपा स्वतंत्र रूप से कार्रवाई करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि भाजपा कश्मीर सभी प्रकार के मादक पदार्थों के खिलाफ है। नेशनल कॉन्फ्रेंस स्थानीय युवाओं को शराब में डुबोना चाहती है। वे शराब का समर्थन कर रहे हैं। यह संतों की भूमि है। हम इस भूमि पर शराब की दुकानें नहीं खुलने देंगे। यदि उमर सरकार इस पर ध्यान नहीं देती है, तो हम अपना विरोध जारी रखेंगे और भाजपा शराब की दुकानों को बंद कर देगी। यह उस पार्टी के लिए चेतावनी है जो राजस्व के लिए शराब का समर्थन कर रही है।

## नशा मुक्त जम्मू और कश्मीर अभियान का एलजी का समर्थन

नशा मुक्त जम्मू और कश्मीर अभियान के अंतर्गत 100-दिवसीय गहन पहल के तहत उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बडगाम में एक जन जागरूकता पदयात्रा का नेतृत्व किया। प्रशासन का लक्ष्य नशा तस्करों के खिलाफ कठोर कार्रवाई के साथ-साथ पुनर्वास पर ध्यान केंद्रित कर केंद्र शासित प्रदेश को पूरी तरह से नशा मुक्त बनाना है। जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मध्य कश्मीर के बुडगाम जिले में चल रहे नशा मुक्त जम्मू और कश्मीर अभियान के तहत पदयात्रा का नेतृत्व किया। इस अभियान का उद्देश्य केंद्र शासित प्रदेश में मादक पदार्थों के दुरुपयोग पर अंकुश लगाना है। इस पदयात्रा

में छात्रों, युवाओं, नागरिक समाज के सदस्यों और जिला प्रशासन के अधिकारियों ने भाग लिया, जो मादक पदार्थों के खतरे के खिलाफ सामूहिक प्रयास को दर्शाता है। सभा को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल ने मादक पदार्थों के दुरुपयोग से निपटने में सामुदायिक नेतृत्व वाले प्रयासों के महत्व पर जोर दिया और युवाओं से नशीले पदार्थों के सेवन से दूर रहने का आग्रह किया। उन्होंने दोहराया कि प्रशासन मादक पदार्थों के तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है, साथ ही जागरूकता अभियान और पुनर्वास पहलों पर भी ध्यान केंद्रित कर रहा है। अधिकारियों ने बताया कि कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों द्वारा नशामुक्त समाज के निर्माण की दिशा में काम करने की शपथ लेने के साथ हुआ। यह पदयात्रा जम्मू-कश्मीर में मादक पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ जन जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रशासन द्वारा शुरू किए गए 100 दिवसीय गहन अभियान का हिस्सा है।

### धार्मिक मान्यताओं के आधार पर शराब पीने की स्वतंत्रता : उमर

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शराब की दुकानों पर सरकार की नीति का बचाव करते हुए कहा कि प्रशासन शराब के सेवन को बढ़ावा नहीं देता, बल्कि धार्मिक मान्यताओं के आधार पर शराब पीने की स्वतंत्रता देता है। उन्होंने कहा कि ये (शराब की) दुकानें विशेष रूप से उन लोगों के लिए हैं

जिनकी धार्मिक मान्यताएं उन्हें शराब पीने की अनुमति देती हैं। जम्मू-कश्मीर में आज तक किसी भी सरकार ने इन प्रतिष्ठानों पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं लगाया है। इसका यह अर्थ नहीं है कि हम शराब के सेवन को बढ़ावा देना चाहते हैं, इसका सीधा सा मतलब है कि जिन लोगों के धार्मिक सिद्धांत शराब के उपयोग या सेवन की अनुमति देते हैं, वे ऐसा करने के लिए स्वतंत्र हैं।

### मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोहों के दौर खत्म होने का दावा

जम्मू-कश्मीर को नशामुक्त बनाने की वकालत करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर में मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोहों का दौर खत्म हो चुका है। उन्होंने कहा कि हमें हर नागरिक की भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिए। हम सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि जम्मू-कश्मीर पूरी तरह से नशामुक्त होकर पूरे देश के लिए एक उदाहरण बने। उपराज्यपाल द्वारा नशा मुक्त जम्मू कश्मीर अभियान के अंतर्गत आयोजित एक विशाल पदयात्रा के शुभारंभ के अवसर पर ये टिप्पणियां की गईं। सभा में बोलते हुए सिन्हा ने आश्वासन दिया कि जम्मू और कश्मीर पुलिस, सुरक्षा एजेंसियां और प्रशासनिक तंत्र, आम जनता के सहयोग से, मादक पदार्थों के तस्करों के उन्मूलन के लिए काम कर रहे हैं। 11 अप्रैल, 2026 को प्रशासन ने तत्काल और मापने योग्य प्रभाव प्राप्त

करने के लिए एक त्वरित 100 दिवसीय अभियान शुरू किया। मादक पदार्थों के विरुद्ध इस युद्ध की देखरेख उपराज्यपाल और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कर रहे हैं, जिसमें मादक पदार्थों की तस्करी और क्षेत्रीय सुरक्षा के बीच अंतर्संबंध को प्राथमिकता दी गई है।

## जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

# नर्स मतलब रोगी के दर्द को महसूस करने वाली मां

> दुनिया में नर्सों की सेवा सर्वाधिक महत्वपूर्ण है, हर दिन, नर्सें शांत शक्ति, स्थिर हाथों और करुणा से भरे दिलों के साथ अस्पतालों, क्लीनिकों और विभिन्न सामुदायिक स्थानों पर कदम रखते हुए रोगियों के लिये देवदूत बनती हैं।

*12 मई को पूरी दुनिया की तरह भारत ने भी अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस मनाया। यह दिन आधुनिक नर्सिंग सेवा की जननी मानी जाने वाली फ्लोरेंस नाइटिंगेल की जयंती के रूप में मनाया जाता है। इसमे कोई दो राय नहीं की चिकित्सकों के बाद नर्सें ही मरीज की सबसे करीब व विश्वासपात्र होती हैं। एक तरह से वह अस्पतालों की रीढ़ होती हैं। मरीज को कोई तकलीफ होती है वह सबसे पहले उसे ही याद करता है। यह दिवस उन अनगिनत संवेदनशील हाथों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है, जो दिन-रात रोगियों के दर्द को कम करने, उन्हें जीवन का भरोसा देने और मृत्यु से संघर्ष कर रहे व्यक्ति के भीतर आशा का दीप जलाने का कार्य करते हैं। नर्सों की सेवा सर्वाधिक महत्वपूर्ण है, हर दिन, नर्सें शांत शक्ति, स्थिर हाथों और करुणा से भरे दिलों के साथ अस्पतालों, क्लीनिकों और विभिन्न सामुदायिक स्थानों पर कदम रखते हुए रोगियों के लिये देवदूत बनती हैं।*

*नर्सें भगवान का रूप होती है, वे ही इंसान के जन्म की पहली साक्षी बनती है और उनमें करुणा का बीज बोती है। एक रोगी को स्वस्थ करने में वे अपना सब कुछ दे देती हैं। सचमुच नर्सें अस्पतालों की आत्मा होती हैं। चिकित्सक जहां रोग की पहचान और उपचार का मार्ग तय करता है, वहीं नर्स अपने स्पर्श, सेवा, सहानुभूति और निरंतर देखभाल से रोगी को जीने की शक्ति देती है। रोगी जब दर्द, भय, चिंता और असहायता से घिरा होता है, तब नर्स ही उसके चेहरे पर विश्वास की मुस्कान बनकर सामने आती है। वह केवल इंजेक्शन लगाने, दवाइयां देने या रिपोर्ट संभालने तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह रोगी के मनोबल की संरक्षक होती है। वह अपने व्यवहार, शब्दों और संवेदनाओं से रोगी को यह विश्वास दिलाती है कि वह अकेला नहीं है। यही कारण है कि दुनिया भर में नर्सों को धरती के फरिश्ते कहा जाता है। मानवीय सेवा का सबसे जीवंत और प्रभावशाली स्वरूप यदि कहीं दिखाई देता है तो वह नर्सिंग सेवा में दिखाई देता है। एक नर्स रोगी की पीड़ा को केवल देखती नहीं, बल्कि उसे महसूस भी करती है। वह रात-रात भर जागकर मरीजों की देखभाल करती है, उनके दर्द की भाषा समझती है, उनकी छोटी-छोटी जरूरतों का ध्यान रखती है और कई बार अपने परिवार, अपने स्वास्थ्य और अपनी खुशियों की कीमत पर भी रोगियों की सेवा करती है। नर्सिंग सेवा केवल पेशा नहीं, बल्कि करुणा, धैर्य और त्याग की साधना है। एक नर्स उस समय भी मुस्कुराती रहती है जब वह स्वयं मानसिक और शारीरिक थकान से गुजर रही होती है।*

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# कठिन हो रहा है आम आदमी का जीवन-यापन

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

पश्चिम एशिया संकट और अन्य कारणों से भारत में महंगाई बढ़ रही है। 12 मई को राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार भारत में अप्रैल, 2026 में खुदरा महंगाई दर 3.48 प्रतिशत हो गई, जो मार्च की 3.40 प्रतिशत दर से अधिक है। इससे आम जनता का दैनिक जीवन कठिन हो रहा है और अर्थव्यवस्था की विकास दर धीमी पड़ रही है। प्रधानमंत्री ने वैश्विक ऊर्जा संकट के कारण जनता से पेट्रोल, डीजल और गैस के संयमित उपयोग की अपील की है और मेट्रो, सार्वजनिक परिवहन, इलेक्ट्रिक वाहन, कार पूलिंग, वर्क फ्रॉम होम जैसे उपायों को बढ़ावा देने को कहा है। अर्थ विशेषज्ञ भी भारत को पश्चिम एशिया संकट और वैश्विक अनिश्चितता के लिए सतर्क रहने की सलाह दे रहे हैं।

वहीं, आरबीआई के गवर्नर ने महंगाई बढ़ने पर नीतिगत रेपो रेट बढ़ाने की संभावना जताई है। पश्चिम एशिया संकट के कारण कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और आपूर्ति बाधाओं से भारत में महंगाई बढ़ रही है। सरकार महंगाई नियंत्रण के उपाय कर रही है, लेकिन नागरिकों को पेट्रोल-डीजल के संयमित उपयोग और अन्य प्रयासों में मदद करनी होगी। एलपीजी सिलेंडरों की बढ़ी कीमतों से व्यवसायों की लागत बढ़ी है, जिसका बोझ उपभोक्ताओं पर पड़ने से महंगाई और बढ़ रही है। हालांकि, अभी पेट्रोल, डीजल और घरेलू एलपीजी की खुदरा कीमतें वैश्विक पेट्रोलियम उत्पादों की ऊंची कीमतों के कारण बढ़ने की आशंका बनी हुई है। सरकारी तेल कंपनियों को हर माह करीब 30 हजार करोड़ रुपये का घाटा हो रहा है। भारत में महंगाई की दर अभी दुनिया की तुलना में कम है, लेकिन बढ़ने की प्रवृत्ति स्पष्ट है। एशियाई विकास बैंक और ईवाई इंडिया की रिपोर्टों के अनुसार, 2026 में महंगाई दर 6 प्रतिशत से ऊपर स्तर तक पहुंच सकती है। क्रिसिल की 'रोटी चावल दर' रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल, 2026 में घर पर बनी थाली की कीमतें बढ़ गई हैं। आम जीवन की रोजमर्रा की वस्तुएं जैसे रसोई का सामान, कपड़े और घरेलू उपकरण महंगे हो रहे हैं।

एफएमसीजी कंपनियां उत्पादों की कीमत बढ़ाने या पैकेट का आकार घटाने पर विचार कर रही हैं। साथ ही, भारतीय मौसम विभाग ने अल नीनो के कारण सामान्य से कम मॉनसून की आशंका जताई है, जिससे कृषि

उत्पादन और खाद्य कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है। सरकार ने पश्चिम एशिया संकट के बीच आम आदमी को महंगाई से बचाने के लिए रणनीतिक कदम उठाए हैं। पेट्रोल-डीजल पर उत्पाद कर में कटौती की गई और निर्यात शुल्क बढ़ाया गया ताकि घरेलू ईंधन की कीमतें काबू में रहें। आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू किया गया है, तेल रिफाइनरियां पूरी क्षमता से काम कर रही हैं। इसके अलावा, सरकार ने खाद्य वस्तुओं के बफर स्टॉक बढ़ाए, रणनीतिक बिक्री की और जरूरी आयात को सुविधाजनक बनाया है ताकि महंगाई के प्रभाव को कम किया जा सके। पश्चिम एशिया संकट के बावजूद भारत के पास महंगाई नियंत्रण की कुछ मजबूत बुनियादी शक्ति है। सरकार की आर्थिक और कूटनीतिक पहलें असर दिखा रही हैं, और विशाल खाद्यान्न भंडार, रिकॉर्ड उत्पादन और 80 करोड़ कमजोर वर्ग को निःशुल्क वितरण भारत की खाद्य सुरक्षा को मजबूत बनाते हैं। विदेशी मुद्रा भंडार में 690 अरब डॉलर से अधिक की उपलब्धता भी आर्थिक स्थिरता का संकेत है। हालांकि, वैश्विक तेल कीमतें बढ़ रही हैं और नीतिगत हस्तक्षेप की गुंजाइश सीमित है, ऐसे में नागरिकों को पेट्रोल-डीजल का संयमित उपयोग करने की आवश्यकता है। आशा है सरकार द्वारा पश्चिम एशिया संकट के बीच महंगाई नियंत्रण के मद्देनजर ब्राजील, रूस और वेनेजुएला से कच्चे तेल का अधिक आयात किया जाएगा। पेट्रोल में इथेनॉल का मिश्रण 30 प्रतिशत किया जाएगा। तेल की मांग में कमी करने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) के उपयोग में तेजी लाई जाएगी।

सरकार द्वारा गैर विकास कार्यों पर खर्च में कमी के साथ अनावश्यक सब्सिडी में कटौती की जाएगी। सरकार के द्वारा खाद्य तेल के आयात शुल्क में कमी सहित उर्वरकों की उपयुक्त आपूर्ति के लिए आगे बढ़ा जाएगा। रिजर्व बैंक द्वारा मौद्रिक नीति सख्त करते हुए वर्तमान नीतिगत ब्याज दर (रेपो रेट) को आवश्यकता के अनुरूप बढ़ाया जाएगा। साथ ही सरकार द्वारा कालाबाजारी और जमाखोरी रोकने के लिए आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 को कड़ाई से लागू करना चाहिए। सरकार के बहुआयामी रणनीतिक प्रयासों से ही भारत वैश्विक ऊर्जा संकट का प्रभावी ढंग से सामना कर पाएगा।

# सौर शक्ति प्रदान करेगी हमें आर्थिक संप्रभुता

अजीत रानाडे

जब पश्चिम एशिया के आसमान में मिसाइलें उड़ती हैं, तो उसका असर हर घर के बिजली और पेट्रोल बिल पर पड़ता है। हालिया संकट ने भारत की इस कमजोरी को उजागर किया है। भारत कच्चे तेल का दुनिया भर में तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है; यह अपनी जरूरत का लगभग 89 प्रतिशत हिस्सा आयात करता है। यानी मोटे तौर पर हर साल 1.75 अरब बैरल, या हर दिन लगभग 4.8 मिलियन बैरल। इसका 60 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा भू-राजनीतिक रूप से संवेदनशील 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' से होकर आता है। 2024-25 में, भारत का कच्चे तेल का आयात खर्च 137 अरब डॉलर रहा। यदि कीमतें मार्च माह की औसत दर 113.57 डॉलर पर बनी रहती हैं तो यह आयात मद बढ़कर लगभग 200 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है।

कच्चे तेल के एक बैरल की कीमत में दस डॉलर की बढ़ोतरी से हमारे आयात बिल में 14 से 16 अरब डॉलर की वृद्धि होती है। यह वह पैसा है जो कीमती विदेशी मुद्रा भंडार से खर्च किया जाता है। यह संशोधित किया गया तेल सामान ढोने वाले ट्रकों, खेतों में काम करने वाले ट्रैक्टरों में और उन मछली पकड़ने वाली नावों में भी इस्तेमाल होता है। यह उन डीजल जनरेटरों में इस्तेमाल होता है जो पूरे ग्रामीण भारत में दूरसंचार टॉवरों को चालू रखे हुए हैं। इस कमजोरी को कम करने का एक तरीका है सौर ऊर्जा। भारत की भौगोलिक स्थिति एक वरदान है, फलतः यहां साल के 300 से ज्यादा दिन तेज धूप खिली रहती है। हालांकि, गर्मियों में प्रचंड ताप भरे कुछ दिन अभिशाप भी बन जाते हैं। हमने अभी-अभी अप्रैल माह का एक बेहद गर्म हफ्ता गुजारा है। इस दौरान, धरती के बीस सबसे गर्म स्थानों में से उन्नीस भारत में थे। लेकिन यह ऊर्जा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक अवसर भी प्रदान करता है। भारत 'इंटरनेशनल सोलर अलायंस' का नेतृत्व करता है, जो 120 से ज्यादा देशों का एक समूह है। वर्ष 2025 में, भारत ने 38 गीगावाट नई सौर क्षमता जोड़ी है, और इस मामले में 35 गीगा वाट वाले अमेरिका को पीछे छोड़ दिया।

अब भारत की कुल स्थापित सौर क्षमता 150 गीगावाट से ज्यादा हो गई है, और सालाना सौर ऊर्जा उत्पादन 2013-14 के 3.4 टेरावाट-घंटे से बढ़कर 2024-25 में 144 टेरावाट-घंटे तक पहुंच गया है। अप्रैल की भीषण गर्मी ने जब पारा 40 डिग्री के पार पहुंचा दिया तो बिजली ग्रिड को अब तक की सबसे ज्यादा मांग का सामना करना पड़ा यानी 256 गीगावाट। उस अहम दिन, अकेले सौर ऊर्जा से ही 81 गीगावाट बिजली बन रही थी। यह देश में कुल बिजली उत्पादन का एक-तिहाई हिस्सा था। ग्रिड फेल नहीं हुई। सौर ऊर्जा हमारे विदेशी मुद्रा भंडार को सुरक्षित रखने में भी मददगार है। तेल आयात पर हमारी निर्भरता में अगर सिर्फ 10 प्रतिशत की भी कमी आ जाए, तो तेल की कीमतों के आधार पर हर साल 13 से 20 अरब डॉलर तक की बचत हो सकती है।

अगर सौर ऊर्जा से चलने वाली बिजली, डीजल जेनरेटरों की जगह ले लें; डीजल पंपों की जगह इलेक्ट्रिक पंपों का उपयोग होने लगे; और इलेक्ट्रिक वाहन, पेट्रोल और डीजल की मांग को कम कर दें तो इस तरह से हुई 10 करोड़ बैरल तेल की बचत से, विदेशी मुद्रा के रूप में हर साल 7.5 से 11 अरब डॉलर तक की बचत हो सकती है। दिलचस्प संभावना यह भी है कि भारत एक ऊर्जा निर्यातक देश बन सकता है। भारतीय तेल शोधन (रिफाइनिंग) क्षमता 258 मिलियन मीट्रिक टन है, जो पहले से ही इसकी घरेलू खपत (239 मिलियन मीट्रिक टन) से कहीं ज्यादा है। साल 2025 में, भारत ने 64.7 मिलियन मीट्रिक टन शोधित पेट्रोलियम उत्पाद जैसे कि पेट्रोल, डीजल और एविएशन फ्यूल का निर्यात किया, जिनकी कुल कीमत 52 अरब डॉलर से भी ज्यादा थी; यह अपने आप में एक रिकॉर्ड है। भारत की तेल शोधन क्षमता साल 2028 तक बढ़कर 309 मिलियन मीट्रिक टन तक पहुंच जाएगी। अगर सौर ऊर्जा और बिजली के बढ़ते इस्तेमाल से घरेलू ईंधन की खपत धीरे-धीरे कम होती है, तो भारत में शोधित होने वाला ज्यादा से ज्यादा ईंधन विदेशों में निर्यात किया जा सकेगा, जिससे हमें बहुमूल्य डॉलर की कमाई होगी। भारत जितनी मात्रा में कच्चे तेल का आयात करेगा, उसे कहीं ज्यादा कुशलतापूर्वक शोधित करेगा, और फिर उस 'मूल्य-वर्धित' ईंधन का निर्यात करेगा-इस तरह भारत इस पूरे क्षेत्र के लिए एक 'ऊर्जा धुरी' के रूप में काम करेगा। अगर इस दिशा में पूरी दृढ़ता के साथ आगे बढ़ा जाए, तो हम भारत को एक 'ऊर्जा आयातक' देश से बदलकर एक 'शुद्ध ऊर्जा निर्यातक' देश के रूप में उभरते हुए देख सकते हैं।

सौर ऊर्जा के इस सफर में कुछ बाधाएं भी हैं। सौर पैनल लगाने के लिए जमीन के विशाल भूखंडों की जरूरत पड़ती है। जिस देश में खेती लायक जमीन की कमी हो, वहां जमीन की उपलब्धता एक वास्तविक चुनौती है। फलतः सौर पैनलों को बंजर जमीन, घरों की छतों, राजमार्गों के किनारे और नहरों के तटबंधों पर लगाया जाए। सोलर पैनलों पर जमने वाली मोटी धूल को हटाने के लिए उन्हें धोने के लिए पानी की भी जरूरत होती है, खासकर राजस्थान और गुजरात जैसे राज्यों में, जहां सोलर ऊर्जा उत्पादन की सबसे ज्यादा संभावना है, लेकिन पानी की कमी है। बिना पानी के काम करने वाले रोबोटिक पैनल क्लीनर एक उभरता हुआ समाधान हैं। भारत को इनका बड़े पैमाने पर अपने देश में ही उत्पादन करना चाहिए। बनी बिजली का संग्रहण करने की सुविधा न होने की वजह, सोलर ऊर्जा में एक बुनियादी कमी है।

# बड़े मंगल पर हनुमान जी को लगाएं बूंदी का भोग

ज्येष्ठ माह के हर मंगलवार का हिंदू धर्म में काफी महत्व होता है। इस दिन विशेष रूप से भगवान हनुमान की पूजा की जाती है। इसलिए इस दिन को बड़ा मंगल भी कहते हैं। बात करें इस साल की तो वर्ष 2026 में ज्येष्ठ मास में कुल 8 बड़े मंगल होंगे। ऐसे में बजरंगबली के भक्त उनकी पूजा-अर्चना में जुटे हैं। इस दिन भगवान को उनके प्रिय पकवानों का भोग लगाया जाता है, जो कि बूंदी है। ऐसे में यदि आप भी हनुमान जी को खुश करना चाहते हैं तो घर पर ही बूंदी तैयार करें और उसका भोग लगाएं।

## सामान

बेसन- 1 कप, पानी- लगभग ¾ कप, खाने का नारंगी रंग - 1 चुटकी, घी या तेल - तलने के लिए, चीनी - 1 कप, पानी- ½ कप, इलायची पाउडर- ½ छोटा चम्मच, केसर, तुलसी का पत्ता।

## विधि

इसे बनाने के लिए सबसे पहले तो बेसन को छानकर एक बाउल में लें। इसके बाद उसमें पानी थोड़ा-थोड़ा करके डालें। ध्यान रखें कि ये ज्यादा गाढ़ा नहीं होना चाहिए। इसे इतनी अच्छी तरह से मिक्स करें कि एक भी गांठ न बन पाए। यदि घोल तैयार करते समय गांठ रह गई तो बूंदी सहे से नहीं बन पाएगी। अब आप चाहें तो इसमें खाने वाला नारंगी रंग मिक्स कर सकते हैं, ताकि इसका रंग बदल जाए। जब घोल तैयार हो जाए तो एक कढ़ाई में सबसे पहले तो तेल या घी को गर्म करें। अब एक बूंदी छानने वाली छलनी लेकर घोल को छलनी पर डालें। इससे बूंदी छन-छन के अपने आप तेल में गिरने लगेगी। जब ये सुनहरी हो जाए तो इसे तेल से निकालकर टिश्यू पेपर पर रख लें, ताकि इसका अतिरिक्त तेल निकल जाए। जब तक ये सूख रही है तब तक चाशनी तैयार करें। इसके लिए एक पैन में 1 कप चीनी और ½ कप पानी डालें। अब इसे मध्यम आंच पर पकाएं जब तक एक तार की चाशनी न बन जाए। अब उसमें इलायची और केसर डालें। चाशनी के तैयार होने के बाद इसमें बूंदू मिक्स करें और लगातार चलाएं। कुछ देर इसे ऐसे ही रखें ताकि बूंदी चाशनी को सोख लें। अब प्रसाद की बूंदी तैयार है, आप इसका भोग लगा सकती हैं।

# बच्चों के लिए तैयार करें आइसक्रीम

गर्मी का मौसम शुरू हो गया है। ऐसे में हर कोई ऐसी चीजों का सेवन करना चाहता है, जिसके सेवन से शरीर को ठंडक महसूस हों। इन चीजों में सबसे पहले आती है आइसक्रीम। बच्चों से लेकर बड़े लोगों तक को आइसक्रीम का सेवन पसंद आता है। इस मौसम में बाजार में कई तरह के फ्लेवर वाली आइसक्रीम मिलती है, लेकिन बाजार में मिलने वाली आइसक्रीम का ज्यादा सेवन नहीं किया जा सकता। यदि आपको आइसक्रीम खाना पसंद है तो आप इसे घर पर भी तैयार कर सकते हैं। यहां हम आपको एक ऐसी आइसक्रीम बनाने की विधि बताने जा रहे हैं, जिसको बनाने में चीनी और दूध की जरूरत भी नहीं पड़ती। इस वजह से ये आइसक्रीम काफी हेल्दी है। तो चलिए बिना देर किए आपको घर पर ही हेल्दी आइसक्रीम बनाने की विधि बताते हैं।

## सामान

गर्मी के मौसम में बच्चों के लिए घर पर आइसक्रीम बनाने के लिए आपको पका हुआ आम, पका हुआ केला, खजूर, काजू, बादाम, पिस्ता।

## विधि

ऊपर दिए गए सामानों की मदद से आप बिना दूध और चीनी की आइसक्रीम तैयार कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले आपको आम और केले को फ्रीज करना है। दोनों चीजों को फ्रीज करने से लिए आम और केले को टुकड़ों में काटकर एक कटोरे में रखें और फिर इस कटोरे को फिजर में रख दें। इसके बाद जब आइसक्रीम बनाने को तैयार हों, तो कम से कम 15 मिनट पहले खजूर को पानी में भिगो दें। इससे वो नरम हो जाते हैं। अब एक ब्लेंडर लेकर उसमें फ्रीज किए हुए केला, आम और भिगोकर रखे हुए खजूर डालें। खजूर के बीजों को निकाल लें। इसके बाद इसे तब तक ब्लेंड करें जब तक एकदम स्मूद और क्रीमी आइसक्रीम जैसा टेक्सचर न आ जाए। जब ये सही तरह से ब्लेंड हो जाए तो इसे निकालकर आइसक्रीम मोल्ड में डालें। इसके बाद इस मोल्ड में काजू-बादाम और पिस्ता को छोटे टुकड़ों में काटकर डाल दें और एक चम्मच से मिक्स करें। आखिर में इस आइसक्रीम मोल्ड को फ्रीजर में कम से कम 4-5 घंटे के लिए रख दें। बस आइसक्रीम तैयार है, अब इसे जब चाहें तब निकालकर सर्व करें और परिवारवालों का दिल जीतें।

## हंसना मना है

एलकेजी के बच्चे के पेपर में 0 आया। गुस्से से पिता- यह क्या है? बच्चा - पिताजी, शिक्षक के पास स्टार खत्म हो गए थे, इसलिये उसने मून दे दिया।

डेट पर लड़के ने लड़की से कहा, जानू, एक बात कहना चाहता हूं! लड़की-क्या? लड़का- मेरी पहले से एक गर्लफ्रेंड है! लड़की- डरा दिया साले, मुझे लगा कि पैसा नहीं है!

पति- अरे सुनो, मुन्ना रो रहा है चुप कराओ इसे। पत्नी (गुस्से में)- मैं काम करूं या बच्चे संभालू, मैं इसे दहेज में नहीं लाई थी, खुद ही चुप करा लो। पति- फिर रोने दे, मैं कौन सा इसे बारात में लेकर गया था।

एक पार्टी में एक सुन्दर सी लड़की एक लड़के के पास गई, लड़की- सुनिए, मेरे एक हाथ में गिलास और दूसरे में प्लेट है, आप मेरे चेहरे से एक चीज हटा देंगे! लड़का- हां हां क्यों नहीं, क्या चीज़ हटानी है? लड़की- अपनी कुत्ते जैसी नजर!

## कहानी: गंगाजल से भरे घड़े की आत्मकथा

संतों की एक सभा चल रही थी, किसी ने एक दिन एक घड़े में गंगाजल भरकर वहां रखवा दिया ताकि संत गंगाजल पी सकें। सभा के बाहर एक व्यक्ति को विचार आया, अहा! यह घड़ा कितना भाग्यशाली है! एक तो इसमें किसी तालाब पोखर का नहीं बल्कि गंगाजल भरा गया और दूसरे यह अब सन्तों के काम आयेगा। ऐसी किस्मत किसी-किसी की ही होती है। घड़े ने उसके मन के भाव पढ़ लिए बोल पड़ा, बंधु मैं तो सिर्फ मिट्टी का ढेर था। किसी काम का नहीं था, कभी ऐसा नहीं लगा कि भगवान् ने हमारे साथ न्याय किया है। फिर कुम्हार ने फावड़ा मार-मारकर हमको खोदा और घर ले जाकर हमको उसने रौंदा, फिर गूंथा, चाकपर तेजी से घुमाया, फिर गला काटा, फिर थापी मार-मारकर बराबर किया। उसके बाद आग में झोंक दिया। फिर मुझे बाजार लाया गया। वहां भी लोग मुझे ठोक-ठोककर देख रहे थे कि ठीक है कि नहीं? फिर कीमत लगायी भी तो क्या- बस 20 से 30 रुपये। हे ईश्वर सारे अन्याय मेरे ही साथ करना था। लेकिन ईश्वर की योजना कुछ और ही थी, किसी सज्जन ने मुझे खरीद लिया और जब मुझमें गंगाजल भरकर सन्तों की सभा में भेज दिया। तब मुझे आभास हुआ कि कुम्हार का वह फावड़ा चलाना भी उसकी की कृपा थी। अब मालूम पड़ा कि मुझ पर सब उस परमात्मा की कृपा ही कृपा थी। दरसल बुरी परिस्थितिया हमें इतनी विचलित कर देती हैं कि हम उस परमात्मा के अस्तित्व पर भी प्रश्न उठाने लगते हैं और खुद को कोसने लगते हैं, क्यों हम सबमें शक्ति नहीं होती उसकी लीला समझने की। कई बार हमारे साथ भी ऐसा ही होता है हम खुद को कोसने के साथ परमात्मा पर ऊंगली उठा देते हैं कि उसने मेरे साथ ही ऐसा क्यों किया, क्या मैं इतना बुरा हूं? मलिक ने सारे दु:ख तकलीफ़ें मुझे ही क्यों दिए। लेकिन सच तो ये है मालिक उन तमाम पत्थरों की भीड़ में से तराशने के लिए एक आप को चुना। अब तराशने में तो थोड़ी तकलीफ तो झेलनी ही पड़ती है।

## 7 अंतर खोजें

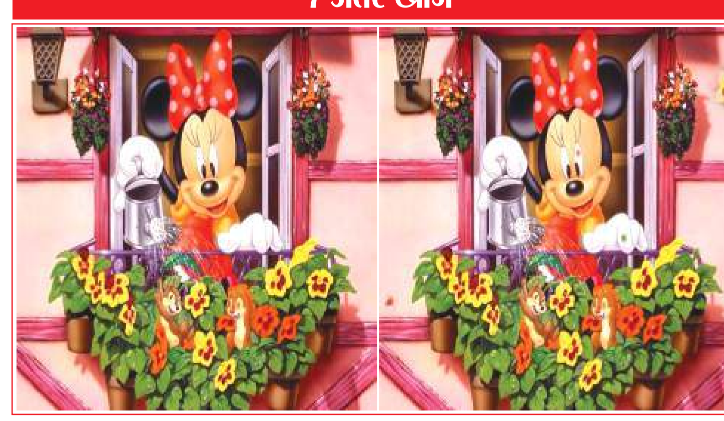

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष**: आज यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कोई बड़ी समस्या का हल सहज ही होगा। समय अनुकूल है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें।

**वृषभ**: परिवार के किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य पर खर्च होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जल्दबाजी न करें। विवाद को बढ़ावा न दें।

**मिथुन**: आय में वृद्धि होगी। लाभ में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। समय की अनुकूलता का लाभ लें।

**कर्क**: आर्थिक उन्नति की योजना बनेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। नए उपक्रम प्रारंभ हो सकते हैं। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी।

**सिंह**: नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। दुष्टजनों से सावधान रहें। प्रमाद न करें। धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा।

**कन्या**: बनते कामों में विघ्न आ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय होगी। फालतू खर्च होगा। विवाद को बढ़ावा न दें।

**तुला**: प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। मानसिक बेचैनी रहेगी।

**वृश्चिक**: स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। समय की अनुकूलता का लाभ लें।

**धनु**: रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद प्राप्त होगा। मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

**मकर**: मेहनत अधिक होगी। लाभ के अवसर टलेंगे। मानसिक बेचैनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। कोई बड़ी बाधा उठ खड़ी हो सकती है। बेचैनी रहेगी।

**कुम्भ**: व्यापार लाभदायक रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। ऐश्वर्य के साधनों पर खर्च होगा। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। प्रमाद न करें। शत्रु पस्त होंगे।

**मीन**: उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। बुद्धि का प्रयोग करेंगे। कार्य में सफलता मिलेगी। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

हालीवुड | मन की बात

# आमिर खान की फिल्ममेकर्स को सलाह, आलोचना सुनना सीखिए

आमिर खान को बॉलीवुड में लोग प्यार से 'मिस्टर परफेक्शनिस्ट' कहते हैं। अपनी शानदार फिल्मों और काम के प्रति गंभीरता के लिए मशहूर आमिर ने हाल ही में एक मास्टरक्लास के दौरान फिल्ममेकिंग सीख रहे छात्रों को खास सलाह दी। स्क्रीन एकेडमी मास्टरक्लास के साथ बातचीत में आमिर खान ने कहा कि जो लोग फिल्ममेकर बनना चाहते हैं, उन्हें आलोचना सुनने और समझने की आदत डालनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अपने काम को लेकर जरूरत से ज्यादा डिफेंसिव होना सही नहीं है। उन्होंने कहा, 'टेस्ट स्क्रीनिंग के दौरान अगर आप अपने काम को बचाने लगते हैं, तो लोग ईमानदारी से अपनी राय देना बंद कर देते हैं। अगर कोई कहे कि उसे किसी किरदार का कॉस्ट्यूम पसंद नहीं आया और मैं तुरंत उसे डिफेंड करने लगूं, तो बाकी लोग समझ जाते हैं कि मैं उनकी बात सुनना ही नहीं चाहता।' आमिर ने आगे कहा कि भले ही आप किसी की बात से सहमत न हों, लेकिन सामने वाले की राय को ध्यान से सुनना जरूरी होता है। उनके मुताबिक, यही चीज एक कलाकार और फिल्ममेकर को बेहतर बनाती है। वर्क फंट की बात करें तो आमिर खान हाल ही में 'सितारे जमीन पर' में नजर आए थे। इस फिल्म में उनके साथ जेनेलिया डिसूजा भी दिखाई दी थीं। अब आमिर अपने अगले बड़े प्रोजेक्ट '3 इडियट्स' के सीक्वल की तैयारी में जुट गए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म इस समय प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है। खास बात यह है कि फिल्म में एक बार फिर आर. माधवन और शरमन जोशी भी नजर आएंगे। फैंस लंबे समय से इस सुपरहिट फिल्म के सीक्वल का इंतजार कर रहे हैं और अब इस खबर के बाद उनकी एक्साइटमेंट और बढ़ गई है।

# रविवार को भी कुछ खास नहीं की पायी संजय दत्त की आखिरी सवाल

बॉलीवुड | मसाला

संजय दत्त की हालिया रिलीज फिल्म आखिरी सवाल 15 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर रही है। इस फिल्म ने तीन दिनों में कितने का कारोबार किया है।

फिल्म आखिरी सवाल ने पहले दिन शुक्रवार को 40 लाख रुपये का कलेक्शन किया। दूसरे दिन शनिवार को संजय दत्त की इस फिल्म ने 75 लाख रुपये की कमाई की है। वहीं कल तीसरे दिन का कलेक्शन भी सामने आ चुका है।

संजय दत्त, नमाशी चक्रवर्ती, अमित साध, समीरा रेड्डी, नीतू चंद्रा और मृणाल कुलकर्णी की फिल्म आखिरी सवाल ने रविवार को तीसरे दिन 64 लाख रुपये की कमाई कर ली है, जो दूसरे दिन के मुकाबले कम है। इस फिल्म ने अब तक बॉक्स ऑफिस पर 1.79 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आखिरी सवाल का बजट लगभग 40 से 50 करोड़ रुपये के आस पास है। इस लिहाज से फिल्म की अब तक की कमाई काफी धीमी रही है। इस फिल्म के लेखर उत्कर्ष नैथानी हैं। इस फिल्म का निर्देशन अभिजीत मोहन वारंग ने किया है। इस फिल्म के निर्माता निखिल नंदा और संजय दत्त हैं। सिनेमाघरों में आखिरी सवाल के अलावा कई फिल्में लगी हुई हैं। संजय दत्त की फिल्म आखिरी सवाल का मुकाबला बॉक्स ऑफिस पर सूर्या की फिल्म करुप्पु और आयुष्मान खुराना की फिल्म पति पत्नी और वो दो से है। इस फिल्म में आयुष्मान के अलावा वामिका गब्बी, सारा अली खान और रकुल प्रीत ने मुख्य भूमिका निभाई है।

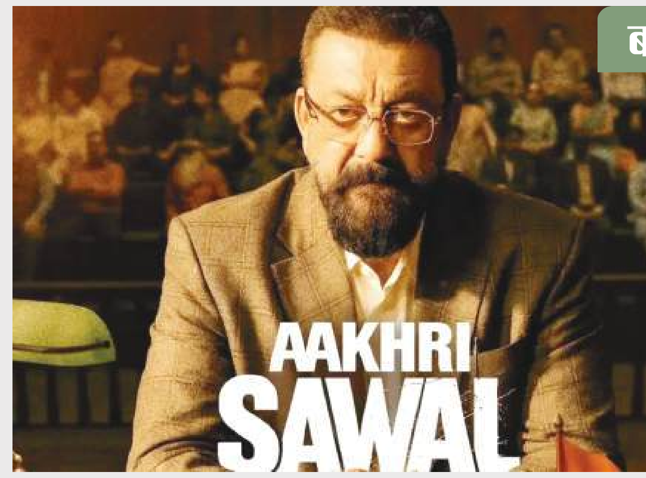


# परेंटिंग पर बोलीं शेफाली शाह, कहा- बेटों की परवरिश से ही हमारी बेटियां महफूज रहेंगी

शेफाली शाह ने बच्चों की परवरिश को लेकर अपना नजरिया पेश किया है। खासकर ऐसी दुनिया में, जहां अल्फा मेल कल्चर और पारंपरिक लैंगिक भूमिकाओं को लेकर जोरदार बहसें चल रही हैं। शेफाली ने बताया कि उन्होंने अपने दोनों बेटों को परवरिश का एक बेहद सीधा-सादा नियम सिखाया है और उनका मानना है कि अच्छी परवरिश के नतीजे सामने आने से बहुत पहले ही इसकी शुरुआत हो जाती है। शेफाली शाह ने मां बनने और बेटों की परवरिश के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने लिली सिंह के पॉडकास्ट पर इस बारे में बेझिझक अपनी बात रखी। एक्ट्रेस से जब पूछा गया कि दो बेटों की परवरिश करते समय अल्फा मेल और पारंपरिक पत्नी वाली सोच से कैसे निपटा जाए? इस पर अभिनेत्री ने कहा, हमारी बेटियां तभी सुरक्षित रहेंगी, जब हमारे बेटों की परवरिश सही तरीके से होगी। मैंने एक ऐसी बात सोची जो मैंने उन्हें बताई और मुझे लगता है कि यह बात हर किसी पर लागू होती है। आप दूसरों के साथ वैसा ही बर्ताव करें, जैसा आप खुद अपने साथ होने की उम्मीद करते हैं। यह सच में आसान है। इसमें न कुछ ज्यादा है और न ही कुछ कम।

शेफाली शाह ने आगे कहा, बाकी सब... बहुत शोर-शराबा है। क्या आप चाहेंगे कि आपके साथ ऐसा बर्ताव हो? नहीं? तो किसी दूसरे इंसान के साथ भी ऐसा मत कीजिए। शेफाली शाह ने माता-पिता के कंट्रोल की सीमाओं और बच्चों की परवरिश में आने वाली अनिश्चितता के बारे में भी बात की, क्योंकि बड़े होकर बच्चे आखिरकार अपनी खुद की सोच बनाते हैं। उन्होंने कहा, क्या मैं कामयाब हुई? यह मुझे तभी पता चलेगा जब वे 30।

शेफाली ने अपने दोनों बेटों को लेकर कहा, वे बड़े हो रहे हैं। उनके अपने विचार होंगे। वे हर उस बात को गलत साबित करना चाहेंगे, जो कोई बड़ा, कोई माता-पिता या कोई मां कहती है। अगर वे बुरा बर्ताव करते हैं, तो मैं उसकी जिम्मेदारी नहीं लूंगी। मैं नहीं ले सकती।

अजब-गजब | ये है दुनिया का सबसे गरीब देश

# यहां खाने के लिए नहीं मिलता आटा मिट्टी से बनी रोटियां खाते हैं लोग!

हम अक्सर प्लेट में खाना छोड़ देते हैं। कभी स्वाद पसंद नहीं आता, कभी भूख कम होती है और कभी बस आदत में शामिल हो चुका है खाना बर्बाद करना। लेकिन दुनिया में कुछ ऐसी जगहें भी हैं, जहां लोगों के लिए दो वक्त की रोटी जुटाना किसी जंग से कम नहीं है। वहां लोग पेट भरने के लिए वो चीजें खाने को मजबूर हैं, जिनके बारे में हम कल्पना भी नहीं कर सकते। आज हम आपको एक ऐसे देश के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां गरीबी का आलम इतना भयानक है कि लोग मिट्टी से बनी रोटियां खाकर अपना पेट भरते हैं। यह सुनने में भले ही अजीब लगे, लेकिन यह हकीकत है।

दरअसल,हम जिस देश की बात कर रहे हैं उसका नाम हैती है। कैरेबियन सागर में स्थित यह देश दुनिया के सबसे गरीब देशों में गिना जाता है। यहां बड़ी संख्या में लोग गरीबी, भुखमरी, कुपोषण और गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं। कहा जाता है कि हैती के कई इलाकों में लोगों के पास खाने के लिए जरूरी सामान तक उपलब्ध नहीं है। बेरोजगारी और महंगाई ने यहां के लोगों की जिंदगी को बेहद कठिन बना दिया है। हैती में हालात इतने खराब हैं कि कई गरीब परिवार गेहूं, चावल और दूसरी जरूरी खाद्य सामग्री खरीदने में सक्षम नहीं हैं। खाने की चीजों की कीमतें लगातार बढ़ती जा रही हैं और गरीब लोगों के लिए दो वक्त का भोजन जुटाना भी मुश्किल हो गया है। ऐसे में यहां के कुछ लोग मिट्टी से बनी रोटियां खाकर अपना पेट भरते हैं इन रोटियों को वहां मड कुकीज भी कहा जाता है। इन्हें देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि गरीबी इंसान को किस हद तक मजबूर कर सकती है।

हैती की झुग्गी बस्तियों में रहने वाले कई परिवार दोपहर के भोजन में मिट्टी से बनी रोटियां खाते हैं। खासतौर पर ध्द्वह्लद्ग स्ध्द्वद्यद्ध नाम के इलाके में रहने वाले लोग इस समस्या को सबसे ज्यादा झेल रहे हैं। यह इलाका बेहद गरीब और घनी आबादी वाला माना जाता है, जहां रहने वाले लोगों के पास पर्याप्त भोजन तक नहीं पहुंच पाता। मजबूरी में लोग मिट्टी से बनी इन रोटियों का सहारा लेते हैं।

हैती के लोग पहाड़ी मिट्टी का इस्तेमाल करके ये रोटियां तैयार करते हैं। सबसे पहले मिट्टी में पानी और नमक मिलाकर एक गाढ़ा लेप बनाया जाता है। इसके बाद इसे हाथों से अच्छी तरह गूंथा जाता है और फिर रोटी या कुकी का आकार दिया जाता है। इसके बाद इन रोटियों को कई घंटों तक तेज धूप में सुखाया जाता है। सूखने के बाद लोग इन्हें खाने के लिए इस्तेमाल करते हैं। सबसे दुखद बात यह है कि मिट्टी से बनी ये रोटियां सिर्फ बड़े लोग ही नहीं बल्कि बच्चे और गर्भवती महिलाएं भी खाती हैं। कई परिवारों के पास दूसरा कोई विकल्प नहीं बचता, इसलिए उन्हें मजबूरी में यही भोजन करना पड़ता है।

# भारत का सबसे ऐतिहासिक पुल, मात्र 2 दिन में हुआ था तैयार, आज भी देख हैरान हैं वैज्ञानिक!

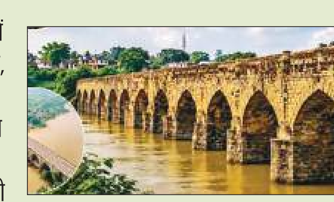

भारत का इतिहास सिर्फ राजाओं, युद्धों और विशाल किलों तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां की प्राचीन इंजीनियरिंग और अद्भुत आर्किटेक्चर भी पूरी दुनिया को हैरान करती रही है। सदियों पहले, जब ना आधुनिक मशीनें थीं और ना ही आज जैसी उन्नत तकनीक, तब भी भारत में ऐसे निर्माण किए गए जो आज के इंजीनियरों के लिए भी किसी अजूबे से कम नहीं हैं। इन्हीं ऐतिहासिक धरोहरों में शामिल है उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले में तमसा नदी पर बना शाही पुल, जिसके बारे में कहा जाता है कि यह महज 2 दिनों में तैयार कर दिया गया था। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि करीब 500 साल बाद भी यह पुल मजबूती के साथ खड़ा है और उस दौर की शानदार निर्माण कला की कहानी बयां करता है। करीब 500 साल पुराना यह पुल आज भी पूरी मजबूती के साथ खड़ा हुआ है। समय के साथ कई इमारतें और निर्माण कमजोर पड़ जाते हैं, लेकिन यह पुल आज भी लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। स्थानीय लोगों के लिए यह सिर्फ एक रास्ता नहीं, बल्कि इतिहास और गौरव की निशानी है। इस पुल की सबसे खास बात इसकी मजबूती है। बिना आधुनिक तकनीक और भारी मशीनों के बने इस पुल को देखकर आज भी लोग सोच में पड़ जाते हैं कि आखिर उस समय इतनी मजबूत संरचना कैसे तैयार की गई होगी। इतिहास के मुताबिक, साल 1530 में शेरशाह सूरी अपनी सेना के साथ जौनपुर की तरफ बढ़ रहा था। इसी दौरान तमसा नदी उसके रास्ते में आ गई। सेना को जल्दी आगे बढ़ाना जरूरी था, इसलिए शेरशाह सूरी ने तुरंत पुल बनाने का आदेश दिया। कहा जाता है कि उस समय कुशल कारीगरों और मजदूरों ने दिन-रात मेहनत की और महज दो दिनों में इस पुल को तैयार कर दिया। उस दौर में यह काम किसी चमत्कार से कम नहीं माना जाता था। इस पुल के निर्माण में चूना, राख, गोंद और अन्य पारंपरिक सामग्रियों का इस्तेमाल किया गया था। यही वजह है कि यह पुल आज भी मजबूत बना हुआ है। उस समय की निर्माण तकनीक इतनी शानदार थी कि सदियों बाद भी यह पुल लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। यह पुल सिर्फ पत्थरों का ढांचा नहीं, बल्कि मेहनत, कौशल और इतिहास की ऐसी कहानी है जो हर किसी को हैरान कर देती है।

# अडानी समूह बिहार को देगा नया आकार

## राज्य के लिए निवेश और विकास का रोडमैप तैयार

» समूह अगले तीन से चार वर्षों में बिहार में लगभग 50 से 60 हजार करोड़ का करेगा निवेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। अडानी समूह बिहार को नये आधारभूत संरचनाओं में निवेश कर नया आकार देगा। कंपनी के अध्यक्ष गौतम अडानी ने बिहार के लिए एक बड़ी निवेश और विकास योजना साझा की है। सारण जिले के मस्ती चक के अपने दौरे के दौरान उन्होंने कहा कि अडानी समूह बिहार में रोजगार सृजित करना चाहता है ताकि राज्य के लोगों को अपने घर के पास ही काम मिल सके। अखंड ज्योति नेत्र अस्पताल के विस्तार परियोजना के शिलान्यास समारोह में बोलते हुए गौतम अडानी ने कहा कि बिहार की सबसे बड़ी ताकत यहां के लोग हैं। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि हर बिहारी को बिहार में ही काम मिले। उन्होंने बताया कि अडानी समूह अगले तीन से चार वर्षों में बिहार में लगभग 50 हजार करोड़ रुपये से 60 हजार करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रहा है। समूह के अनुसार, यह निवेश बिजली, सड़क, रसद, सीमेंट और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में किया जाएगा।

अडानी समूह के प्रमुख गौतम अडानी और उनकी पत्नी डॉ. प्रीति

किसी की आंख की रोशनी लौटाना सिर्फ ईलाज नहीं, बल्कि उसकी उम्मीद, आत्मविश्वास व सम्मान वापस लौटना है।
गौतम अडानी

### भागलपुर जिले में लगेगा थर्मल पावर प्लांट

सबसे बड़ी परियोजनाओं में से एक भागलपुर जिले के पीरपैंती में स्थित थर्मल पावर प्लांट है। इस परियोजना में 30 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश होने की उम्मीद है। बिहार सरकार और अदानी पावर ने इसके लिए पहले ही एक समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। इस परियोजना से स्थानीय लोगों के लिए हजारों रोजगार सृजित होने की संभावना है।

अडानी आज बिहार दौरे पर हैं। उन्होंने सारण में आंख के अस्पताल की सौगात की। 150 करोड़ की लागत से बनने जा रहे इस अस्पताल को देश के सबसे बड़े ग्रामीण आई हॉस्पिटल का बनाने का दावा किया गया है। गौतम अडानी ने बिहार में अडानी समूह पहले से ही ऊर्जा और सड़क परियोजना पर काम कर रहा है। इधर, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता मंगल पांडेय ने सारण में अखंड ज्योति आई हॉस्पिटल की नई परियोजना के भूमि पूजन का हार्दिक स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि बिहार के सारण जिले के मस्तीचक गांव में जिस तरह उद्योगपति गौतम अडानी और प्रीति अडानी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विश्वस्तरीय नेत्र चिकित्सा परियोजना का भूमि पूजन किया, वह बिहार के स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। मैं बिहार के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री के नाते इस पुनीत कार्य का हृदय से स्वागत करता हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ''स्वस्थ भारत, सशक्त भारत'' के संकल्प को जमीन पर उतारने की दिशा में यह कदम मील का पत्थर साबित होगा। केंद्र सरकार की नीतियों और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' के कारण ही आज अदाणी समूह जैसे बड़े उद्योग घराने बिहार में स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सेवा में निवेश के लिए आगे आ रहे हैं।

### मुख्यमंत्री से मिले गौतम अडानी

अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी ने पटना में बिहार के सीएम सम्राट चौधरी से मुलाकता की। अडानी ने कहा कि लोकप्रिय और ऊर्जावान मुख्यमंत्री सम्राट चौधर से हुई सार्थक मुलाकात ने राज्य के उज्ज्वल भविष्य के प्रति हमारे विश्वास को और मजबूत किया। अडानी समूह बिहार के विकास को नई दिशा देने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर और ऊर्जा के क्षेत्रों में सक्रिय सहयोग के साथ रोजगार सृजन और सामाजिक सेवा के कार्यों हेतु पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है।

साथ में पत्नी ने भी किया बिहार का दौरा

### सड़क निर्माण और गोदाम परियोजनाओं में निवेश

अडानी समूह बिहार में सड़क निर्माण और गोदाम परियोजनाओं में निवेश करने की योजना बना रहा है। पटना और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर लगभग 1000 से 1,200 करोड़ रुपये की लागत से गोदामों का निर्माण होने की उम्मीद है। कंपनी राज्य में बिजली वितरण प्रणाली को बेहतर बनाने के लिए स्मार्ट मीटरिंग परियोजनाओं पर काम कर रही है। इसके अलावा, समूह नवीकरणीय ऊर्जा और गैस आधारित परियोजनाओं में निवेश के विकल्पों पर भी विचार कर रहा है।

### अखंड ज्योति नेत्र अस्पताल का विस्तार होगा

निवेश के साथ-साथ गौतम अडानी ने सामाजिक सेवा के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि समूह व्यापार से पहले सेवा के सिद्धांत में विश्वास रखता है और स्वास्थ्य सेवा एवं कल्याणकारी परियोजनाओं के माध्यम से समाज में योगदान देना चाहता है। इस प्रयास के तहत, अडीनी समूह अखंड ज्योति नेत्र अस्पताल के विस्तार में सहयोग कर रहा है ताकि विश्व का सबसे बड़ा ग्रामीण नेत्र देखभाल नेटवर्क स्थापित किया जा सके। इस परियोजना का लक्ष्य प्रतिवर्ष लगभग छह लाख नेत्र शल्य चिकित्सा प्रदान करना है। अस्पताल परियोजना से जुड़े मृत्युंजय तिवारी ने बताया कि अस्पताल में वर्तमान में प्रतिवर्ष लगभग दो लाख सर्जरी होती हैं। विस्तार के बाद यह संख्या तेजी से बढ़ने की उम्मीद है। प्रतिवर्ष लगभग 1हजार डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस परियोजना से न केवल बिहार में बल्कि भविष्य में देश के अन्य हिस्सों में भी स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार होने की उम्मीद है।

## सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की वजह से हारे : स्टालिन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। एमके स्टालिन ने सोमवार को हाल ही में संपन्न हुए तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में डीएमके की हार पर टिप्पणी करते हुए कहा कि पार्टी यह अनुमान लगाने में विफल रही कि इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और चुनाव प्रचार में बच्चों का इस्तेमाल किस तरह मतदाताओं को टीवीके के पक्ष में प्रभावित करेगा।

डीएमके के अध्यक्ष ने कहा, सोशल मीडिया, इंस्टाग्राम का इस्तेमाल और बच्चों को उनकी माताओं, दादा-दादी और बड़ों को प्रभावित करने के लिए चुनाव प्रचार में लगाना, यह सब सोची-समझी रणनीति थी जिसे हम समझ नहीं पाए। उन्होंने आगे कहा कि पार्टी अब भविष्य में ऐसे कृत्यों को विफल करने के लिए रणनीति बनाएगी। हालांकि, स्टालिन ने जोर देकर कहा कि सत्ता खोने के बावजूद डीएमके राजनीतिक रूप से प्रासंगिक बनी हुई है।

## दिल्ली की प्लेऑफ की उम्मीदें बरकरार

» राजस्थान को पांच विकेट से हराया, तालिका में चेन्नई को भी हुआ फायदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मिचेल स्टार्क की अगुवाई में गेंदबाजों के घातक प्रदर्शन के बाद अभिषेक पोरेल और केएल राहुल की अर्धशतकीय पारियों की मदद से दिल्ली कैपिटल्स ने राजस्थान रॉयल्स को पांच विकेट से हरा दिया। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान ने ध्रुव जुरेल और रियान पराग की अर्धशतकीय पारियों की मदद से 20 ओवर में आठ विकेट पर 193 रन बनाए।

जवाब में दिल्ली ने 19.2 ओवर में पांच विकेट पर 197 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। आखिर में आशुतोष शर्मा ने उपयोगी पारी खेली। वह पांच गेंदों में 18 रन बनाकर नाबाद रहे। अक्षर पटेल भी 18 गेंदों में 34 रन बनाकर अंत तक क्रीज पर डटे रहे। राजस्थान पर जीत के साथ दिल्ली ने प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को जीवित रखा है। अब टीम की नजरें अपना बाकी बचा एक मुकाबला जीतने पर होंगी। यह मैच 24 मई को कोलकाता में केकेआर के खिलाफ खेला जाएगा। वहीं, अक्षर पटेल के नेतृत्व वाली टीम 12 अंक के साथ सातवें स्थान पर है। वहीं, दिल्ली की जीत ने चेन्नई को भी फायदा पहुंचाया है। दरअसल, राजस्थान रॉयल्स छठ स्थान पर खिसक गई है जबकि चेन्नई पांचवें पायदान पर पहुंच गई। दोनों टीमों के खाते में 12-12 अंक हैं और नेट रन रेट भी +0.027 ही है।

## 11वीं बार आईपीएल के प्लेऑफ में पहुंची आरसीबी

धर्मशाला। बल्लेबाजों के बाद गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन से आरसीबी ने पंजाब किंग्स को 23 रनों से हराया। इसके साथ ही आरसीबी प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करने वाली पहली टीम बन गई है। आरसीबी ने 20 ओवर में चार विकेट पर 222 रन बनाए। जवाब में पंजाब किंग्स 20 ओवर में आठ विकेट पर 199 रन ही बना सकी। पंजाब किंग्स की यह लगातार छठी हार है और उसके लिए अब प्लेऑफ की राह मुश्किल हो गई है। आरसीबी ने इस तरह 11वीं बार आईपीएल के प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई किया है। आरसीबी ने इस जीत के साथ ही अंक तालिका में शीर्ष पर अपना दबदबा मजबूत कर लिया है। आरसीबी के 13 मैचों में नौ जीत और चार हार के साथ 18 अंक हैं और उसने आधिकारिक तौर पर प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर लिया है। वहीं, लगातार छह हार के बाद भी पंजाब की टीम चौथे स्थान पर मौजूद है। पंजाब के 13 मैचों में छह जीत, छह हार और एक बेनतीजा के साथ 13 अंक हैं। हालांकि, उसे प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए ना सिर्फ अपना आखिरी मैच जीतना होगा, बल्कि दूसरी टीमों के नतीजों पर भी निर्भर रहना होगा।

# एनडीए सरकार छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ कर रही : राहुल गांधी

नीट यूजी -26 पेपर रद मामले में भाजपा व कांग्रेस में ठनी

नेता प्रतिपक्ष ने शिक्षामंत्री को हटाने की मांग की

पीएम मोदी की चुप्पी पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं में शामिल नीट यूजी 26 को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। पेपर लीक मामले में अब राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए केंद्र सरकार पर छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने का आरोप लगाया है। उधर भाजपा ने भी पलटवार किया है। भाजपा के मंत्री अनिल विज ने राहुल गांधी पर हमला बोला है।

नीट पेपर लीक मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का बचाव करते हुए उन्होंने कहा कि वह केंद्र सरकार के सबसे सक्षम मंत्री है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि नीट 24 और नीट 26 दोनों मामलों में एक जैसी स्थिति देखने को मिली है। उन्होंने लिखा कि पहले पेपर लीक होता है, फिर जांच एजेंसी सक्रिय होती है, समिति बनाई जाती है, लेकिन जवाबदेही तय नहीं होती है। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल करते हुए पूछा कि आखिर बार-बार परीक्षा पत्र लीक क्यों हो रहे हैं और शिक्षा मंत्री के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है। बता दें कि नीट यूजी परीक्षा हर साल देशभर के लाखों छात्र देते हैं और इसी परीक्षा के जरिए मेडिकल तथा डेंटल पाठ्यक्रमों में

प्रवेश मिलता है। ऐसे में पेपर लीक की घटनाओं ने छात्रों और अभिभावकों की चिंता बढ़ा दी है। मौजूद जानकारी के अनुसार, केंद्रीय जांच ब्यूरो यानी सीबीआई इस मामले की जांच कर रही है। जांच एजेंसियों का दावा है कि प्रश्न पत्र परीक्षा से पहले कुछ लोगों तक पहुंचाया गया था। इस मामले में अब तक पांच राज्यों से नौ लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। जांच के दौरान कई दस्तावेज, मोबाइल फोन, बैंक रिकॉर्ड और लैपटॉप भी जब्त किए गए हैं।

## भाजपा व संघ के लोगों ने बनाया पैसा कमाने का गठजोड़

राहुल गांधी ने इस पूरे मामले को भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े कथित लोगों का पैसा कमाने वाला गठजोड़ बताया है। उन्होंने दावा किया कि परीक्षा से दो दिन पहले प्रश्न पत्र व्हाट्सऐप पर प्रसारित किया गया था।

## इस्तीफा मांगना आसान, काम करना मुश्किल : अनिल विज

हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने नीट पेपर लीक मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर पलटवार किया है। विज ने कहा कि आजकल राजनीति में बिना सोचे-समझे इस्तीफा मांगना एक सामान्य बात हो गई है। किसी का भी इस्तीफा मांग लेना बहुत आसान है, लेकिन असली चुनौती काम करके दिखाने की होती है। अंबाला में पत्रकारों से बातचीत करते हुए विज ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का बचाव किया और उन्हें केंद्र सरकार के सबसे सक्षम मंत्रियों में से एक बताया। उन्होंने साफ किया कि पेपर लीक मामला सामने आते ही सरकार ने तुरंत सख्त कदम उठाए। जांच एजेंसियां लगातार कार्रवाई कर रही हैं और दोषियों को सलाखों के पीछे भेजा जा रहा है। इस मामले में किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

## कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया का नेता प्रतिपक्ष को समर्थन

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने भी राहुल गांधी की इस मांग का खुलकर समर्थन किया है, जिसमें उन्होंने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को तुरंत बर्खास्त करने की बात कही थी। राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि भाजपा और आरएसएस के गठजोड़ ने देश की शिक्षा व्यवस्था को पूरी तरह बर्बाद कर दिया है। सिद्धरमैया ने कर्नाटक के एक लाख से अधिक छात्रों समेत देश के 22 लाख से ज्यादा अभ्यर्थियों का जिक्र करते हुए कहा कि मोदी सरकार निष्पक्ष और सुरक्षित परीक्षा कराने में पूरी तरह फेल रही है, जिससे छात्र अनिश्चितता के माहौल में जीने को मजबूर हैं। आपको बता दें कि 3 मई को हुई नीट यूजी परीक्षा को प्रश्न पत्र लीक होने के आरोपों के बाद रद कर दिया गया था।

## भाजपा का कांग्रेस पर मुद्दे का राजनीतिकरण करने का आरोप

भाजपा ने कांग्रेस पर मुद्दे का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाते हुए अपनी सरकार द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई और सीबीआई जांच का बचाव किया है। भाजपा नेता भंडारी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार को गड़बड़ी की जानकारी मिलते ही तुरंत और कड़ी कार्रवाई की है और सरकार हमेशा छात्रों के हितों के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने बताया कि अनियमितताओं का पता चलते ही परीक्षा को तुरंत रद किया गया और छात्रों पर बिना कोई अतिरिक्त बोझ डाले 21 जून को दोबारा परीक्षा कराने की घोषणा भी कर दी गई है। भाजपा प्रवक्ता ने राहुल गांधी को नसीहत देते हुए कहा कि कांग्रेस को 22 लाख छात्रों के भविष्य से जुड़े इस गंभीर मामले पर राजनीति करना बंद करना चाहिए। दूसरों को सीख देने से पहले कांग्रेस को अपने शासनकाल में हुए एआईपीएमटी लीक, एसएससी घोटाले, सीबीएसई पेपर लीक और कांग्रेस शासित राज्यों में हुए भर्ती घोटालों के भयावह रिकॉर्ड का जवाब देना चाहिए। उन्होंने साफ किया कि आरोपों के सामने आते ही केंद्र सरकार ने तुरंत मामला सीबीआई को सौंप दिया था और खुद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सार्वजनिक रूप से सामने आकर इस पूरे मुद्दे की जिम्मेदारी स्वीकार की है।

## महाराष्ट्र में विधान परिषद चुनाव 18 को

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में विधान परिषद चुनाव की 16 सीटों के चुनाव को लेकर सियासी हलचलें तेज हो गई हैं। चुनाव आयोग ने इन सीटों के लिए पूरा शेड्यूल जारी कर दिया हैं। विधान परिषद चुनाव की अधिसूचना 25 मई सोमवार को जारी की जाएगी। वहीं 18 जून को मतदान होगा और 22 जून को वोटों की गिनती की जाएगी। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने सोमवार (18 मई) को महाराष्ट्र विधान परिषद की 16 सीटों के लिए चुनाव की घोषणा की।

आयोग ने बताया कि महाराष्ट्र के 16 स्थानीय निकाय निर्वाचन क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्यों का कार्यकाल 022 और 25 के बीच अलग-अलग समय पर समाप्त हो गया था। हालांकि, स्थानीय निकायों के कामकाज से संबंधित अनिवार्य मानदंडों की पूर्ति न होने और मतदाताओं की उपलब्धता न होने के कारण पहले चुनाव नहीं कराए जा सके। चुनाव कार्यक्रम के अनुसार, चुनाव की आधिकारिक अधिसूचना 25 मई, 26 को जारी की जाएगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 1 जून है, जबकि नामांकन पत्रों की जांच 2 जून को होगी। उम्मीदवार 4 जून तक अपना नामांकन वापस ले सकते हैं। सभी 16 सीटों के लिए मतदान 18 जून को सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक होगा। पूरी चुनाव प्रक्रिया 25 जून तक पूरी होने की उम्मीद है। चुनाव आयोग ने यह भी घोषणा की है कि चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है।

## भीषण गर्मी के बीच सड़क पर उतरे अभ्यर्थी

### रेंगते हुए मंत्री का आवास घेरने पहुंचे 69 हजार छात्र, पुलिस ने किया बल प्रयोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में जहां पारा 45 के पार पहुंच रहा है । वहीं न्याय के शिक्षक व वकील सड़कों पर हैं। उत्तर प्रदेश में 69 हजार शिक्षक भर्ती के मामले में 31वीं तारीख के बीच अभ्यर्थियों ने भीषण गर्मी में रेंगते हुए प्रदर्शन किया। अभ्यर्थी, राज्य के बेसिक शिक्षा मंत्री का आवास घेरने जा रहे थे हालांकि पुलिस ने उन्हें आगे जान से रोक दिया। इससे पहले कल कैसरबाग में नगर निगम ने वकीलों के चैंबर व दुकानें तोड़ दीं। वकीलों तीन तक काम न करने की बात कही है।

सोमवार,18 मई को बड़ी संख्या में अभ्यर्थी राजधानी लखनऊ में बेसिक शिक्षा मंत्री के आवास की ओर सड़क पर रेंगते हुए पहुंचे और विरोध जताया। भीषण गर्मी के बीच अभ्यर्थियों ने अनोखे तरीके से प्रदर्शन करते हुए सरकार पर उनकी मांगों की अनदेखी का आरोप लगाया। प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों का कहना है कि मामले की अगली सुनवाई 31 मई को है, लेकिन अब तक उनकी ओर से अदालत में प्रभावी पैरवी नहीं की जा रही है। उनका आरोप है कि सरकार और संबंधित विभाग उनके मुद्दों को गंभीरता से नहीं उठा रहे हैं अभ्यर्थियों ने मांग की कि कोर्ट में मजबूती से पक्ष रखा जाए और भर्ती प्रक्रिया से जुड़े विवाद का जल्द समाधान निकाला जाए।

### अभ्यर्थी बोले- हमारे पास कोई ऑप्शन नहीं

यह पूछे जाने पर कि वह रेंगते हुए क्यों जा रहे हैं, अभ्यर्थियों में से एक ने कहा कि हमारी हालत कीड़े मकड़ों से ज्यादा बुरी हो गई है, इसलिए हमने यह कदम उठाया। एक अभ्यर्थी ने कहा कि हम आग्रह करने आए हैं कि हम लोगों की हालत देखी जाए। हम लोग मजबूर हैं। पिछले 6 सालों से हमारा आंदोलन चल रहा है. अब गर्मी, सर्दी, बारिश, कुछ फर्क नहीं पड़ता, हम लोग मजबूर हैं, हमारे पास कोई ऑप्शन नहीं है।

## हाथ में रामचरित मानस लिए वकील पर यूपी में पुलिस के लाठीचार्ज की तस्वीर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने शेयर की

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में वकीलों के चैंबर पर बुलडोजर चलाने के मामले में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गंभीर आरोप लगाए हैं। सपा चीफ ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर एक तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में देखा जा सकता है कि एक वकील के हाथ में रामचरितमानस है। उस पर पुलिस के जवान लाठी ताने खड़े हैं। यह तस्वीर साझा कर सपा चीफ ने लिखा कि भारतीय जनता पार्टी अधर्मी है, कन्नौज सांसद ने लिखा कि 'श्रीरामचरितमानस' हमारी सौहार्दपूर्ण संस्कृति का संविधान है और मानवीय-व्यावहारिक मर्यादा का आचार संहिता कोश। उप्र भाजपा सरकार ने जिस तरह लखनऊ में 'श्रीरामचरितमानस' का अपमान-तिरस्कार किया है, वो किसी भी तरह क्षमा करने योग्य नहीं है।

### वकीलों के चैंबर व दुकानों पर चला बुलडोजर

इससे पहले रविवार को सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने घटना की निंदा करते हुए इसे अन्याय करार दिया और कथित लाठीचार्ज में घायल वकीलों के मुफ्त इलाज की मांग की थी। बता दें नगर निगम द्वारा वजीरगंज क्षेत्र में वकीलों के कथित अवैध चैंबर गिराए जाने के विरोध में प्रदर्शन कर रहे अधिवक्ताओं पर पुलिस ने रविवार को हल्का बल प्रयोग किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस के बयान के अनुसार, इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेशों का पालन करते हुए नगर निगम ने अदालत परिसर और उसके आसपास अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया। यह इलाका वजीराबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत आता है। अभियान के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे।

लखीमपुर खीरी में सड़क हादसा

## ट्रक और मैजिक की टक्कर में 10 की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में थाना ईशानगर के उंचा गांव में आज सुबह एक भीषण सड़क दुर्घटना में 10 लोगों की दर्दनाक मौत हो गयी, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हैं। सभी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि लखीमपुर से मैजिक गाड़ी सवारी भरकर लखीमपुर से सिसैया जा रही थी, उधर सामने से बहराइच की ओर से आ रहे एक ट्रक ने सामने टक्कर मार दी।

घटना के बाद चीख-पुकार मच गयी है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने राहत और बचाव शुरू कर दिया है। सीओ खमरिया शमशेर बहादुर ने बताया कि पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया है, ट्रक चालक मौके से फरार है उसकी तलाश की जा रही है. उधर अस्पताल में इलाज कर रहे डॉक्टर के मुताबिक यहां दस लोगों को लाया गया था, इनमें नौ की मौत हो चुकी है। जानकारी के मुताबिक मैजिक में सभी मजदूर सवार थे जो लखीमपुर से मजदूरी करके वापस गांव नानपारा जा रहे थे। इससे पहले पीलीभीत-बस्ती हाइवे पर अदुलीसपुर गांव के पास हादसा हो गया. पुलिस मृतकों की पहचान करने में जुटी है, जबकि शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेजा गया है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने लखीमपुर हादसे पर दु:ख जताया है और डीएम एसपी को तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव के निर्देश दिए हैं।

महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार : मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा